|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१३ जुलाई २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी १

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER	
SANGH NAME		SUPARVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१०)**

१. पायच्छित्त ..... निग्घायण

२. पंचिंदिया ..... संघट्टिया

३. आयाहिणं ..... सम्माणेमि

४. अरिहंताणं ..... कायं

५. अरिहंताणं .....

..... साहूणं

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(७)**

१. ताव ..... २. जंभाईएणं .....

३. सम्माणेमि ..... ४. दग .....

५. चेईयं ..... ६. लोए .....

७. नमो सिद्धाणं .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(७)**

१. छींक आने से (छींक आववाथी) .....

२. काया को (कायाने) .....

३. एक स्थान से दूसरे स्थान पर (एक स्थानेथी बीजे स्थाने) .....

४. सर्व पापों का (सर्व पापोना) .....

५. विशेष शुद्धि करने के लिए (विशेष शुद्धि करवा माटे) .....

६. अखंडित (अखंडित) .....

७. वचन से मौन रहकर (वचन द्वारा मौन रहीने) .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(१६)**

१. वंदना के प्रकार कितने है? कौन से? (वंदनाना प्रकार केटला छे? कया कया?) (४)

.....

२. ईरियावहिया सूत्र के अभ्यास से किस में बदलाव आता है? (ईरियावहिया सूत्रना अभ्यासथी शेमां बदलाव आवे छे?

.....

३. कायोत्सर्ग करने से क्या शांत होता है? (कायोत्सर्ग करवाथी शुं शांत थाय छे?)

.....

४. नमस्कार सूत्र के स्मरण से किस का विकास होता है? (नमस्कार सूत्रना स्मरणथी शेनो विकास थाय छे?)

.....

(५) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(४)**

१. वंदना करने से ..... का बंध होता है और ..... नष्ट होता है। .....

(वंदना करवाथी ..... नो बंध थाय छे अने ..... नो क्षय थाय छे।)

२. मटर को प्लास्टिक की थैली मे रखे ....., चीटिया पर पाऊडर छिडकने से ..... का दोष लगता है।

(वटाणाने बेगमां भरीए ....., कीडी पर पाऊडर छांटीए तो ..... दोष लागे छे. छे।

.....

३. कायोत्सर्ग से ..... के साथ साथ ..... और ..... का विकास होता है।

(कायोत्सर्गथी ..... तेम ज ..... अने ..... नो विकास थाय छे।

.....

४. नमस्कार सूत्र के स्मरण से ..... कर्म का बंध होता है। .....

(नमस्कार सूत्रना स्मरणथी ..... कर्मनो बंध थाय छे।)

(६) अंको में उत्तर दीजिए। (आंकडामां उत्तर लखो।) **(४)**

१) आचार्य के गुण (आचार्यना गुण) ..... २) शल्य के प्रकार (शल्यना प्रकार) .....

३) पापस्थानक (पापस्थानक) ..... ४) विराधना के प्रकार (विराधनाना प्रकार) .....

५) कर्मो (कर्मो) ..... ६) घाती कर्म (घाती कर्म) .....

७) कायोत्सर्ग के आगार (कायोत्सर्गना आगार) ..... ८) गुरुपद के गुण (गुरुपदना गुण) .....

७. निम्नलिखित जीवों का समावेश किस में होता है? (नीचेना जीवों एकेन्द्रियथी पंचेन्द्रिय शेमां आवे?) **(४)**

१) अग्नि ..... २) चींटियां (कीडी) ..... ३) कीडे .....

४) तितली (पतंगिया) ..... ५) देवता ..... ६) हाथी .....

७) वनस्पति ..... ८) धुन (धनेडा) .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(१२)**

१. तीर्थंकर १६, ६ और १३ .....

.....

२. गणधर ४ और ८ .....

३. द्रव्य तीसरा (द्रव्य त्रीजुं) .....

४. सती १०, ६ और १६ .....

५. काय छट्ठी .....

६. प्रभु जैसा बनने की सरल सीडी (प्रभु जेवा बनवानी सरल सीडी) .....

७. शरीर संबंधी संयोगो को निर्धारित करनेवाला कर्म (विविध रुप धारण करावतुं कर्म) .....

(२) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) **(८)**

१. मैं वर्ण, गंध, रस, स्पर्श से युक्त हूं। (मारामां वर्ण, गंध, रस, स्पर्श रहेला छे।) .....

२. मैं जीवदया का उपकरण हूं। (हुं जीवदया माटेनुं उपकरण छुं।) .....

३. हम तीर्थंकर भगवान के प्रमुख शिष्य है। (अमे तीर्थंकर भगवानना मुख्य शिष्य छीए।) .....

४. हमारे नाम स्मरण करने से अनंत कर्मो की निर्जरा होती है। .....

(अमारुं नाम स्मरण करवाथी अनंत कर्मोनो क्षय थाय छे।)

५. सती के नाम स्मरण से हमारी प्रेरणा मिलती है। (सतीना स्मरणथी अमारी पेरणा मळे छे।

.....

६. हमारे कारण अनंत विविधता है। (अमारा कारणे अनंत प्रकारनी विविधता छे।) .....

७. मैं जीवदया का प्रतीक हूं। (हुं जीवदयानुं मुख्य चिह्न छुं।) .....

८. मैं सुख-दुःख का अनुभव कराता हूं। (हुं सुख-दुःखनो अनुभव करावुं छुं।) .....

(१५)

प्र. ३ संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (संस्कार विभागना आधारे लखो।)

२) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) (१०)

१. आहार ..... प्रकार का होता है। ओज आहार केवल ..... द्वारा ग्रहण किया जाता है। .....

(आहारना ..... प्रकार छे, ओज आहार मात्र ..... द्वारा ग्रहण कराय छे)

२. जो क्रिया जीव को ..... की ओर ले जाती है, वह क्रिया ..... कहलाती है। .....

(जे क्रिया जीवने ..... तरफ दोरी जाय तेने ..... कहे छे।)

३. ..... धर्म का मूल है। उसका फल ..... है। .....

(..... धर्मनुं मूल छे। ..... तेनुं फळ

४. उपकारी का निरंतर स्मरण ..... के हृदय तक पहुंचने की मुख्य ..... है। .....

(उपकारनुं सतत स्मरण ते ..... ना हृदय सुधी पहोंचवानी ..... छे।)

५. ....., ..., ... और ..... का उपकार मानना चाहिए। (....., ..., ... अने ..... नो उपकार मानवो जोइए।)

.....

६. जय जिनेन्द्र बोलने से ....., ... जैसी बुराइयां दूर होती है। ..... और ..... आती है।

(जय जिनेन्द्र बोलवाथी ....., ... जेवा दुर्गुण दूर थाय, ... अने ..... आवे।

.....

७. ..... के बाद और ..... के पहले का समय भोजन करने का सबसे अच्छा समय है।

(..... पछी अने ..... पहेलानो समय आहार माटे उत्तम छे।

.....

८. माता-पिताने हमारा जीवन ..... और ..... सुसंस्कारों से सींचा है। .....

(माता-पिताए आपणा जीवन घडतरमां ....., ... जेवा सुसंस्कारोनुं सिंचन कर्युं छे।

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक शब्दमां लखो।) (५)

१. विनय से किसका प्यार मिलता हैं। (विनयथी कोनो प्यार मले छे?) .....

२. माता-पिता किसका स्वरुप है? (माता-पिता कोना स्वरुप छे?) .....

३. कच्चे पानी की एक बूंद में कितने जीव होते है? .....

(काचा पाणीना एक टीपांमां केटला जीव होय छे?)

४. जय जिनेन्द्र किसकी पहचान है? (जय जिनेन्द्र शेनी ओळख छे?) .....

५. खाना किसके लिए उत्तम है? (जमवुं शेना माटे उत्तम छे?) .....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर जोडी बनाओ। (जोडका जोडो।)

(अ)	(ब)	जवाब
१. शब्द	१. वनस्पति	.....
२. संवेदना	२. जीवन पद्धति	.....
३. विज्ञान	३. पुद्गल	.....
४. इकागाई	४. अनेकांत	.....
५. सिद्धांत	५. स्वकेन्द्रित	.....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) सही विकल्प चुनें। (योग्य विकल्प पर टीक करो।) (५)

१. नयसार कौन से गांव में रहता था? (नयसार कया गाममां रहेतो हतो?) (वाराणसी, प्रतिष्ठान, मगध)

२. मेघरथ राजा के पिता का नाम क्या था? (मेघरथ राजाना पितानुं नाम शुं हतुं) (धनरथ, विश्वसेन, श्रेणिक)

३. विकट परिस्थिति में हमें किसका स्मरण करना चाहिए? (नमस्कार सूत्र, देव, धर्म)

(विकट परिस्थितिमां आपणे कोनुं स्मरण करवुं जोइए?)

४. सब से श्रेष्ठ दान कौन सा है? (सौथी श्रेष्ठ दान कयुं छे?) (अभयदान, ज्ञानदान, सुपात्रदान)

५. आर्द्र कुमार को कौन सा ज्ञान हुआ था? (अवधिज्ञान, जातिस्मरण ज्ञान, विभंगज्ञान)

(आर्द्र कुमारने कयुं ज्ञान थयुं हतुं?)

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना जवाब एक वाक्यमां लखो।) (५)

१. धर्म का बोध देनेवाले हमें कौन मिले है? (धर्मनो बोध आपवावाळा आपणने कोण मल्या छे?)

.....

२. एक छोटा सा नियम नयसार के लिए क्या बन गया? (नयसारनो नानो नियम तेना माटे शुं बनी गयो?)

.....

३. कमठ ने क्या बढा दिया? (कमठे शुं वधारी दीधु?)

.....

४. ईशानेन्द्रए किस की क्या प्रशंसा की? (ईशानेन्द्रए कोनी शुं प्रशंसा करी?)

.....

५. गीफ्ट कैसी देनी चाहिए? (गीफ़्ट केवी आपवी जोइए?)

.....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर जोडी बनाइए। (जोडका जोडो)

(अ)	(ब)	जवाब
१. सुलसाजी	१. कपट कर संसार बढाओ ना	.....
२. मरिचीजी	२. शासन के वाहक	.....
३. नागश्री	३. क्षमा गुण से शोभित	.....
४. सिद्ध देव	४. मोह रख दुर्गति में जाओ ना	.....
५. अर्जुनमाली	५. अनेकांतवाद	.....
६. नंद मणियार	६. निर्जरा का मूल है	.....
७. जैनधर्म का नारा	७. जियो और जीने दो	.....
८. प्रभु का उपदेश	८. भक्ति गुणों से सुशोभित	.....
९. तप	९. घमंड कर नीच गोत्र में जाओ ना	.....
१०. आचार्य देव	१०. आत्म भावों में लीन	.....

जय जिनेन्द्र

❋ PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
❋ NEXT CLASS STARTS AUGUST 4TH/5TH MONDAY AND TUESDAY.
❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.